THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHOUDHURY): (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

रेलवे द्वारा वाष्प चालित इंजनों का उपयोग

1573. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि विभिन्न क्षेत्रीय रेलों पर वाष्प, डीजल और विद्युत् चालित इंजिनों की संख्या कितनी-कितनी है तथा अलग-अलग उन पर कितनी लागत आती है उनके रख-रखाव पर कितना खर्च पड़ता है और वाष्प इंजिनों को लगातार चलाने के क्या कारण हैं जो कि अनद्यतन हो गये हैं और उनपर खर्च भी अधिक पड़ता है ?

रेल मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : अपेक्षित सूचना नीचे दी गयी है :—

1. 1-4-84 को भारतीय रेलों पर भाप, डीजल और बिजली रेल इंजनों की संख्या (अनंतिम) :

भाप . . .	6183
डीजल . .	2794
बिजली . .	1197

2. 1971 से भाप रेल इंजनों का निर्माण नहीं किया जा रहा है । डी० रे० का० और चि० रा० का० द्वारा निर्माण किये जा रहे विभिन्न किस्म के डीजल और बिजली रेल इंजनों की अनुमानित लागत नीचे दी गई है :—

(लाख रुपये)

रेल इंजन की किस्म		अनुमानित लागत
डीजल	बड़ी लाइन .	85
	मीटर लाइन .	70
	छोटी लाइन .	55
बिजली	बड़ी लाइन .	89

3. भाप, डीजल और बिजली रेल इंजनों की मरम्मत और अनुरक्षण पर किया गया खर्च नीचे दिया गया है :—

(करोड़ रुपये)

रेल इंजनों की किस्म	संशोधित अनुमान 1983–84	बजट अनुमान 1984–85
भाप .	151.67	159.67
डीजल .	129.39	145.15
बिजली .	48.47	55.92

4. उत्तरोत्तर रूप से भाप रेल इंजनों को समाप्त करना एक स्वीकृत नीति है बशर्ते कि डीजल/बिजली रेल इंजनों के निर्माण कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिये धन उपलब्ध हो ।

Health hazards caused by manufacturing units

1574. SHRI M. BASAVARAJU: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) what are the details of steps taken by Government to stop the indiscriminate exploitation of natural resources which cause ecological disturbance and what measures are being taken to regulate the location of manufacturing units with a view to preventing health hazards; and

(b) if no steps/measures have been taken in this regard, by when these are likely to be taken?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (MISS KUMUD BEN M. JOSHI): (a) and (b) Haphazard exploitation of resources like water, air, flora and fauna, soil including mineral wealth can lead to ecological disturbances. The Government has